एनडी/गेल/सेक्ट/2016 सितम्बर 22, 2016

लिस्टिंग विभाग
बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
मंजिल 1, पी.जे.टॉवर, दलाल स्ट्रीट,
मुंबई-400 001

प्रिय महोदय,

"भावी धामरा एलएनजी टर्मिनल में इक्विटी स्टेक हासिल करने के लिए इंडियन ऑयल एवं गेल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए" इससे संबंधित प्रेस विज्ञप्ति यहां इसके साथ संलग्न है।

उपर्युक्त आपके सूचनार्थ एवं रिकार्ड हेतु है।

सधन्यवाद,

भवदीय,

हस्ता.
(ए. के. झा)
कंपनी सचिव
संलग्नक : उपरोक्तानुसार

प्रति :

1. लिस्टिंग विभाग
   नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड
   एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल,
   प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक,
   बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व)
   मुंबई-400 051

2. ड्यूश बैंक ए जी, फिलिअले मुंबई के/ए-श्री ऐलेन लोपेज
   टीएसएस एण्ड ग्लोबल इक्विटी सर्विसेस
   द कैपिटल, 14वीं मंजिल, सी-70, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
   मुंबई-400051

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

21 सितंबर 2016

उभरते हुए धामरा एलएनजी टर्मिनल में इक्विटी शेयरधारिता लेने हेतु गेल और इंडियन ऑयल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा गेल (इंडिया) लिमिटेड ने आज धामरा पोर्ट, ओडिशा में स्थापित की जा रही 5 एमएमटीपीए क्षमता वाले एलएनजी रिसीविंग, स्टोरेज तथा पुनर्गैसीकरण टर्मिनल में इक्विटी लेने हेतु धामारा एलएनजी टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीएलटीपीएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, डीएलटीपीएल एक तरु इंडियन ऑयल और गेल तथा दूसरी तरु अदानी ग्रुप का बराबरी का संयुक्त उद्यम होगा। डीएलटीपीएल में इंडियन ऑयल और गेल क्रमश: 39% तथा 11% इक्विटी का अर्जन करेंगे तथा शेष 50% अदानी ग्रुप द्वारा धारित होगा। इसके साथ ही इंडियन ऑयल तथा अदानी ग्रुप दोनों ही अपनी संबंधित हिस्सेदारी का 1% का विनिवेश किसी पात्र वित्तीय संस्थान को करेंगे जिसे टर्मिनल में 2% हिस्सेदारी मिलेगी। इक्विटी के अलावा, इंडियन ऑरूल और गेल टर्मिनल में क्रमश: 3.0 तथा 1.5 एमएमटीपीए पुनर्गैसीकरण क्षमता बुक करना चाहते हैं।

यह विकास सरकार के पूर्वी भारत में सतत कल्याणकारी और विकास उपाय करने की पृष्ठभूमि में हुआ है ताकि अब तक इस अविकसित क्षेत्र को देश की आर्थिक मुख्य धारा में शामिल किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि भारत तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक भारत का पूर्वी हिस्सा विकास करे।

वर्तमान में, पूर्वी भारत के राज्य अर्थात् ओडिशा, बिहार, झारखंड तथा पश्चितम बंगाल आदि घरेलू, यातायात, उद्योग आदि क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का लाभ उठाने में असक्षम हैं चूकि इस क्षेत्र में एलएनजी टर्मिनल तथा अंतर्देशीय गैस पाइपलाइन ग्रिड के रूप में गैस इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है।

धामरा में एलएनजी टर्मिनल इन राज्यों के संभावित ग्राहकों को स्वच्छ तथा आर्थिक रूप से लाभदायक विकल्प उपलब्ध कराएंगे जो कार्बन की मौजूदगी भी कम करने में मददगार होगा। यह इस क्षेत्र में नई औद्योगिक परियोजनाओं को आकर्षित कर आर्थिक विकास को भी गतिशीलता प्रदान करेगा।

एलएनजी टर्मिनल इंडियन ऑयल के बरौनी, हल्दिया तथा परादीप स्थित तीन तेल रिफाइनरियों की गैस आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। भारत सरकार द्वारा पुनर्जीवित किए गए बरौनी, सिंदी और गोरखपुर स्थित तीन फर्टिलाईजर प्लांटों को भी इस टर्मिनल से लाभ मिलेगा। इस टर्मिनल द्वारा पूर्वी भारत में आने वाले विभिन्न शहरी गैस वितरण नेटवर्कों को भी गैस आपूर्ति की जाएगी जो पारिवारिक इकाईयों की पाइप गैस आवश्यकताओं, ऑटोमोबाईल हेतु सीएनजी तथा वाणिजियक स्थापनाओं और उद्योगों की स्वच्छ ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करेगा। अत: अपेक्षा की जाती है कि परिचालन शुरु करने पर धामरा एलएनजी टर्मिनल समग्र पूर्वी भारत के लिए उन्नति के सेतु के रूप में उभरेगा।

इसी बीच, आज एक ऐतिहासिक विकास में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने जगदीशपुर-हल्दिया तथा बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) परियोजना, जिस पर गेल (इंडिया) लिमिटेड 12,940 करोड़ रुपये की पूंजी लागत से कार्य कर रहा है, हेतु 5 वर्ष की अवधि के लिए 40% पूंजी सहायता, कुल राशि 5176 करोड़ रुपये मंजूर किया है। ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत सरकार ने प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को पूंजीगत सहायता दी हो।

2539 कि.मी. लम्बे जेएचबीडीपीएल का दिसंबर 2020 तक पूरा होना अपेक्षित है तथा यह उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल तथा उड़ीसा को जोड़ेगी। इस परियोजना के तहत गेल पूर्वी भारत के 7 महत्वपूर्ण शहरों जैसे :- वाराणसी, पटना, रांची, जमशेदपुर, कलकत्ता, भुवनेश्वर और कटक में शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क भी तैयार करेगा। जेएचबीडीपीएल गैस पाइपलाइन का प्रयोग पूर्वी भारत के 3 उर्वरक प्लांट जैसे बरौनी, सिंदरी और गोरखपुर को गैस आपूर्ति के लिए किया जाएगा।

धामरा एलएनजी टर्मिनल तथा जेएचबीडीपीएल परियोजना से अपेक्षित है कि वे संचयी रूप से पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था में 51,000 करोड़ रु. का निवेश लाएंगे। इसमें से लगभग 13000 करोड़ रुपये जेएचबीडीपीएल पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर पर 7 शहरों के सीजीडी परियोजना पर 6000 करोड़ रुपये, धामरा एलएनजी टर्मिनल पर 6000 करोड़ रुपये तथा गोरखपुर, बरौनी, सिंदरी एवं तलचर उर्वरक इकाइयों को पुनर्जीवित करने पर 26000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।